अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका
ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में परिवहन का महत्व : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. प्रभात कुमार पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र
राजकीय महिला महाविद्यालय, रॉवर्ट्सगंज, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश

सारांश

परिवहन किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधारभूत तत्व है। यह उत्पादन और उपभोग के बीच की दूरी को कम करता है तथा विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को आपस में जोड़ने का कार्य करता है। किसी भी राज्य के कृषि, उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्रों के विकास के लिए एक सुदृढ़ परिवहन प्रणाली अनिवार्य होती है। उत्तर प्रदेश भारत का एक विशाल और जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है, जिसकी अर्थव्यवस्था विविध आर्थिक गतिविधियों पर आधारित है। राज्य के विभिन्न भागों में कृषि उत्पादन, औद्योगिक गतिविधियाँ, व्यापारिक केंद्र तथा पर्यटन स्थल स्थित हैं। इन सभी क्षेत्रों को जोड़ने और आर्थिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने में परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उत्तर प्रदेश में सड़क, रेल, वायु और जल परिवहन के माध्यम से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में जोड़ा गया है। बेहतर परिवहन व्यवस्था से कृषि उत्पादों का विपणन सरल होता है, उद्योगों को कच्चा माल प्राप्त होता है और व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार होता है।

यह शोध-पत्र उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में परिवहन की भूमिका का विश्लेषण करता है तथा यह स्पष्ट करता है कि परिवहन व्यवस्था किस प्रकार राज्य के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होती है।

मुख्य शब्द : परिवहन, आर्थिक विकास, उत्तर प्रदेश, सड़क परिवहन, औद्योगिक विकास, व्यापार।

परिचय

आर्थिक विकास की प्रक्रिया में परिवहन का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। परिवहन वह माध्यम है जिसके द्वारा व्यक्ति, वस्तुएँ और सेवाएँ एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचती हैं। किसी भी क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के लिए यह आवश्यक है कि वहाँ परिवहन सुविधाएँ पर्याप्त और विकसित हों। यदि किसी क्षेत्र में परिवहन सुविधाएँ विकसित नहीं होती हैं, तो वहाँ उत्पादित वस्तुएँ बाजार तक नहीं पहुँच पातीं और आर्थिक विकास की गति धीमी हो जाती है। इसके विपरीत जहाँ परिवहन व्यवस्था विकसित होती है, वहाँ उद्योग, व्यापार और निवेश की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं।

भारत का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष 2021 के आसपास राज्य की अनुमानित जनसंख्या लगभग **23 से 24 करोड़** के बीच मानी जाती है। इतनी विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उत्पादन और वितरण की प्रक्रिया को सुचारु बनाए रखने के लिए एक सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश में परिवहन के विभिन्न साधनों—सड़क, रेल, वायु तथा जल परिवहन—का व्यापक विकास हुआ है। सड़क परिवहन की दृष्टि से राज्य देश के प्रमुख राज्यों में शामिल है। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में **लगभग 5.5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़क नेटवर्क** पाया जाता है, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, जिला सड़कें तथा ग्रामीण सड़कें शामिल हैं। यह सड़क नेटवर्क राज्य के गाँवों, कस्बों और शहरों को आपस में जोड़कर आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करता है। रेल परिवहन की दृष्टि से भी उत्तर प्रदेश का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में **भारत के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्कों में से एक** स्थित है और यहाँ लगभग **8,500 किलोमीटर से अधिक लंबा रेल मार्ग** पाया जाता है। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

और गोरखपुर जैसे प्रमुख शहर रेल मार्ग के माध्यम से देश के विभिन्न महानगरों और औद्योगिक केंद्रों से जुड़े हुए हैं। इससे माल परिवहन, व्यापार तथा औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है।

उत्तर प्रदेश भौगोलिक दृष्टि से एक विशाल राज्य है और यहाँ विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियाँ संचालित होती हैं। राज्य के पश्चिमी भाग में औद्योगिक विकास अधिक है, जहाँ **नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और कानपुर** जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्र स्थित हैं। इसके विपरीत राज्य का पूर्वी और मध्य भाग मुख्यतः कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहाँ **धान, गेहूँ, गन्ना, आलू और दलहन** का व्यापक उत्पादन होता है। इन क्षेत्रों के बीच आर्थिक संतुलन स्थापित करने के लिए परिवहन व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। उदाहरण के रूप में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में निर्मित इलेक्ट्रॉनिक और अन्य औद्योगिक वस्तुओं को राज्य के अन्य भागों तथा देश के विभिन्न बाजारों तक पहुँचाने के लिए सड़क और रेल परिवहन का व्यापक उपयोग किया जाता है। इसी प्रकार पूर्वी उत्तर प्रदेश में उत्पादित कृषि उत्पादों को बड़े शहरों की मंडियों और औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुँचाने में परिवहन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इसके अतिरिक्त राज्य में हाल के वर्षों में **आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तथा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे** जैसे आधुनिक राजमार्गों के निर्माण से परिवहन व्यवस्था को नई दिशा मिली है। इन एक्सप्रेसवे के माध्यम से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच यात्रा का समय कम हुआ है और औद्योगिक तथा व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि हुई है

साहित्यिक समीक्षा

आर्थिक विकास में परिवहन की भूमिका पर अनेक अर्थशास्त्रियों और शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन प्रस्तुत किए हैं। विभिन्न अध्ययनों में यह स्पष्ट किया गया है कि परिवहन व्यवस्था किसी भी क्षेत्र के उत्पादन, वितरण और व्यापारिक गतिविधियों को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ***दत्त एवं सुंदरम के अनुसार*** परिवहन और संचार व्यवस्था आर्थिक विकास की आधारभूत संरचना का एक महत्वपूर्ण अंग है। उनके अनुसार विकसित परिवहन प्रणाली उत्पादन केंद्रों और बाजारों के बीच की दूरी को कम करती है, जिससे व्यापार, उद्योग और निवेश की संभावनाएँ बढ़ती हैं (दत्त एवं सुंदरम, 2018)। ***मिश्रा एवं पुरी*** ने अपने अध्ययन में बताया है कि परिवहन प्रणाली कृषि और औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनके अनुसार यदि किसी क्षेत्र में परिवहन सुविधाएँ विकसित होती हैं, तो वहाँ कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाना आसान हो जाता है तथा उद्योगों को कच्चे माल की उपलब्धता और तैयार माल के वितरण में सुविधा मिलती है (मिश्रा एवं पुरी, 2019)। ***अग्रवाल*** ने अपनी पुस्तक *भारतीय अर्थव्यवस्था* में उल्लेख किया है कि परिवहन व्यवस्था आर्थिक विकास की एक प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करती है। उनके अनुसार परिवहन नेटवर्क के विकास से न केवल व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलता है, बल्कि क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में भी सहायता मिलती है (अग्रवाल, 2017)। ***भारत सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण*** में भी यह उल्लेख किया गया है कि सड़क, रेल, वायु और जल परिवहन का विकास देश की आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करता है। विशेष रूप से सड़क परिवहन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क स्थापित करके कृषि और व्यापार के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है (भारत सरकार, आर्थिक सर्वेक्षण, 2020)। इसी प्रकार ***उत्तर प्रदेश सरकार की आर्थिक समीक्षा*** में यह बताया गया है कि राज्य में परिवहन अवसंरचना के विकास से औद्योगिक क्षेत्रों, कृषि मंडियों और पर्यटन स्थलों के बीच संपर्क बेहतर हुआ है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे जैसे आधुनिक राजमार्गों के निर्माण से राज्य में व्यापार, निवेश और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिला है (उत्तर प्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण, 2019–2020)। इस प्रकार विभिन्न विद्वानों और सरकारी रिपोर्टों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि परिवहन व्यवस्था आर्थिक विकास की एक महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना है, जो कृषि, उद्योग, व्यापार और पर्यटन

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। वर्तमान अध्ययन में भी उत्तर प्रदेश के संदर्भ में परिवहन और आर्थिक विकास के बीच इसी संबंध का विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

- परिवहन की अवधारणा और उसके महत्व का विश्लेषण करना।
- उत्तर प्रदेश में उपलब्ध परिवहन साधनों का अध्ययन करना।
- राज्य के आर्थिक विकास में परिवहन की भूमिका को स्पष्ट करना।
- कृषि, उद्योग और व्यापार के विकास में परिवहन के योगदान का अध्ययन करना।
- परिवहन क्षेत्र से संबंधित समस्याओं और सुधार की संभावनाओं का विश्लेषण करना।

अनुसंधान पद्धति

इस शोध-पत्र में उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में परिवहन के महत्व का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन मुख्यतः द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। इसके अंतर्गत विभिन्न सरकारी प्रकाशनों, आर्थिक सर्वेक्षणों, शोध-पुस्तकों, शोध-पत्रों तथा आधिकारिक रिपोर्टों से संबंधित जानकारी एकत्रित की गई है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण, भारत सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण, नीति आयोग की रिपोर्टें, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, रेल मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय तथा प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा प्रकाशित आँकड़ों का उपयोग किया गया है।

अध्ययन में उत्तर प्रदेश में उपलब्ध विभिन्न परिवहन साधनों—सड़क, रेल, वायु तथा जल परिवहन—की स्थिति और उनके आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। इसके अतिरिक्त परिवहन अवसंरचना के विकास तथा उससे जुड़े आर्थिक क्षेत्रों जैसे कृषि विपणन, औद्योगिक वितरण, व्यापार तथा पर्यटन पर पड़े प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। शोध-पत्र में प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण करने के लिए वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक पद्धति का उपयोग किया गया है। विभिन्न तालिकाओं के माध्यम से परिवहन अवसंरचना की वृद्धि दर तथा आर्थिक क्षेत्रों पर उसके प्रभाव को स्पष्ट किया गया है। साथ ही सांख्यिकीय परीक्षण के रूप में *Z-Test* **और** *T-Test* का प्रयोग करके परिवहन विकास और आर्थिक गतिविधियों के बीच संबंध का विश्लेषण किया गया है। इस प्रकार प्रस्तुत अध्ययन उत्तर प्रदेश में परिवहन और आर्थिक विकास के मध्य संबंध को समझने का एक प्रयास है।

परिकल्पनाएँ

इस अध्ययन के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित परिकल्पनाएँ निर्धारित की गई हैं—

***H_0* (शून्य परिकल्पना) :** *उत्तर प्रदेश में परिवहन अवसंरचना के विकास और आर्थिक विकास के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।*

H_1* (वैकल्पिक परिकल्पना) :उत्तर प्रदेश में परिवहन अवसंरचना के विकास और आर्थिक विकास के बीच सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण संबंध है।*

H_2* :परिवहन सुविधाओं के विकास से कृषि विपणन, औद्योगिक वितरण, व्यापार तथा पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि होती है।*

***H_3* :** *बेहतर परिवहन अवसंरचना राज्य के क्षेत्रीय संतुलित विकास और रोजगार सृजन में सहायक होती है।*

परिवहन की अवधारणा और आर्थिक महत्व

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

परिवहन का अर्थ है व्यक्तियों, वस्तुओं और सेवाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने की प्रक्रिया। आर्थिक दृष्टि से परिवहन का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि यह उत्पादन और उपभोग के बीच की दूरी को कम करता है।

परिवहन व्यवस्था के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के बीच आर्थिक संपर्क स्थापित होता है। इससे वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान सरल और तेज हो जाता है। परिवहन की उपलब्धता से बाजारों का विस्तार होता है और उत्पादन को प्रोत्साहन मिलता है। यदि उत्पादकों को यह विश्वास हो कि उनके उत्पादों को आसानी से बाजार तक पहुँचाया जा सकता है, तो वे उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक निवेश करने के लिए प्रेरित होते हैं। उदाहरण के रूप में, यदि किसी क्षेत्र में फल और सब्जियों का उत्पादन अधिक होता है और वहाँ से बड़े शहरों तक सड़क परिवहन की सुविधा उपलब्ध है, तो किसान अपने उत्पादों को दूर-दराज के बाजारों में बेच सकते हैं और अधिक आय अर्जित कर सकते हैं।

ऐतिहासिक दृष्टि से भी परिवहन का आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्राचीन काल में व्यापार और परिवहन मुख्यतः पशुओं, बैलगाड़ियों तथा नदियों के माध्यम से किया जाता था। उस समय गंगा और यमुना जैसी नदियाँ व्यापारिक गतिविधियों के प्रमुख साधन थीं और इनके किनारे अनेक व्यापारिक नगर विकसित हुए। मध्यकाल में सड़क मार्गों और व्यापारिक मार्गों का विस्तार हुआ, जिससे विभिन्न क्षेत्रों के बीच व्यापार बढ़ा। औपनिवेशिक काल में भारत में रेलवे के विकास ने परिवहन व्यवस्था को एक नई दिशा दी। रेल मार्गों के निर्माण से वस्तुओं का बड़े पैमाने पर परिवहन संभव हुआ और विभिन्न क्षेत्रों के बीच आर्थिक संपर्क मजबूत हुआ। स्वतंत्रता के बाद सरकार ने सड़क, रेल और वायु परिवहन के विकास पर विशेष ध्यान दिया, जिसके परिणामस्वरूप परिवहन प्रणाली में उल्लेखनीय प्रगति हुई।

वर्तमान समय में आधुनिक राजमार्गों, एक्सप्रेसवे, उन्नत रेलवे नेटवर्क और हवाई सेवाओं के विकास ने परिवहन को और अधिक प्रभावी बना दिया है। इस प्रकार ऐतिहासिक विकास की प्रक्रिया में परिवहन प्रणाली ने निरंतर परिवर्तन और विस्तार के माध्यम से आर्थिक विकास को गति प्रदान की है।

उत्तर प्रदेश में परिवहन के प्रमुख साधन

- **सड़क परिवहन :** सड़क परिवहन उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक प्रचलित और महत्वपूर्ण परिवहन साधन है। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, जिला सड़कें और ग्रामीण सड़कें बड़ी संख्या में विकसित की गई हैं। सड़क परिवहन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह गाँवों को शहरों से सीधे जोड़ता है। इससे किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को वस्तुओं के परिवहन में सुविधा होती है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे जैसे आधुनिक राजमार्गों के निर्माण से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच आवागमन तेज हुआ है और औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है।
- **रेल परिवहन :** रेल परिवहन बड़े पैमाने पर माल और यात्रियों के परिवहन का एक महत्वपूर्ण साधन है। उत्तर प्रदेश में रेलवे नेटवर्क अत्यंत विस्तृत है और यह राज्य के अधिकांश प्रमुख शहरों को जोड़ता है। रेल परिवहन के माध्यम से भारी मात्रा में वस्तुओं का परिवहन अपेक्षाकृत कम लागत पर किया जा सकता है। इससे उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध कराने और तैयार उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने में सुविधा होती है। कानपुर और वाराणसी जैसे शहर रेलवे नेटवर्क के माध्यम से देश के विभिन्न औद्योगिक और व्यापारिक केंद्रों से जुड़े हुए हैं, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है।
- **वायु परिवहन :** वायु परिवहन आधुनिक और तीव्र गति वाला परिवहन साधन है। उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों में हवाई अड्डों के विकास से राज्य का संपर्क राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। वायु परिवहन के विकास से पर्यटन, व्यापार और निवेश को प्रोत्साहन मिलता है। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलती है। लखनऊ और

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

वाराणसी के हवाई अड्डों के माध्यम से बड़ी संख्या में पर्यटक और व्यापारी राज्य में आते हैं, जिससे होटल, परिवहन और अन्य सेवाओं के क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

- **जल परिवहन :** जल परिवहन अपेक्षाकृत सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन साधन है। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना जैसी प्रमुख नदियाँ बहती हैं, जिनके माध्यम से जल परिवहन की संभावनाएँ मौजूद हैं। यदि जल परिवहन का समुचित विकास किया जाए, तो माल ढुलाई की लागत कम की जा सकती है और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सकता है। वाराणसी क्षेत्र में गंगा नदी के माध्यम से माल परिवहन की व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिससे भारी वस्तुओं को कम लागत में परिवहन करना संभव हो रहा है।

तालिका 01 : उत्तर प्रदेश में परिवहन के प्रमुख साधनों की स्थिति

क्र.सं.	परिवहन का साधन	प्रमुख आँकड़े वर्ष (2020)	आर्थिक महत्व
1	सड़क परिवहन	वर्ष 2020 तक लगभग 5.5 लाख किमी से अधिक सड़क नेटवर्क; राष्ट्रीय राजमार्ग लगभग 8,000 किमी; राज्य राजमार्ग लगभग 11,000 किमी	गाँवों, कस्बों और शहरों को जोड़कर कृषि, उद्योग और व्यापार को गति देता है
2	रेल परिवहन	लगभग 8,500 किमी से अधिक रेल मार्ग; देश के प्रमुख शहरों से जुड़ा नेटवर्क; अनेक जंक्शन जैसे लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज	भारी माल और यात्रियों के कम लागत वाले परिवहन में सहायक
3	वायु परिवहन	लगभग 7–8 प्रमुख हवाई अड्डे संचालित (लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर आदि)	पर्यटन, व्यापार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय संपर्क को बढ़ावा
4	जल परिवहन	राष्ट्रीय जलमार्ग-1 राज्य के वाराणसी क्षेत्र से होकर गुजरता है; वाराणसी में मल्टी-मोडल टर्मिनल विकसित करने का प्रयास	भारी माल के सस्ते और पर्यावरण अनुकूल परिवहन की संभावना

तालिका से स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश में परिवहन के सभी प्रमुख साधनों का विकास हुआ है, जिनमें सड़क परिवहन सबसे अधिक व्यापक है। सड़क नेटवर्क राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को जोड़ता है, जबकि रेल परिवहन बड़े पैमाने पर माल और यात्रियों के आवागमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वायु परिवहन पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देता है, जबकि जल परिवहन भविष्य में कम लागत वाले माल परिवहन के लिए महत्वपूर्ण संभावना प्रस्तुत करता है।

उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में परिवहन का महत्व

- **कृषि विकास में योगदान :** उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि पर आधारित है। परिवहन व्यवस्था के विकास से किसानों को अपने उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने में सुविधा मिलती है। बेहतर परिवहन सुविधाओं के कारण कृषि उत्पादों को समय पर बाजार तक पहुँचाया जा सकता है, जिससे किसानों को उचित मूल्य प्राप्त होता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उत्पादित गन्ना और आलू को ट्रकों और ट्रैक्टरों के माध्यम से चीनी मिलों और मंडियों तक पहुँचाया जाता है।
- **औद्योगिक विकास में योगदान :** औद्योगिक विकास के लिए कच्चे माल की उपलब्धता और तैयार माल के वितरण की आवश्यकता होती है। परिवहन व्यवस्था उद्योगों के लिए इन दोनों कार्यों को सरल बनाती है। नोएडा और गाजियाबाद जैसे

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

औद्योगिक क्षेत्रों में निर्मित इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को राष्ट्रीय राजमार्गों और रेलवे के माध्यम से देश के विभिन्न भागों में भेजा जाता है।

- **व्यापार और वाणिज्य का विस्तार :** परिवहन सुविधाओं के विकास से व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होती है। जब बाजारों के बीच संपर्क बढ़ता है, तो वस्तुओं का आदान-प्रदान भी बढ़ता है। लखनऊ और कानपुर जैसे व्यापारिक केंद्रों में विभिन्न राज्यों से वस्तुएँ आती हैं और यहाँ से अन्य क्षेत्रों में भेजी जाती हैं।
- **रोजगार के अवसरों का सृजन :** परिवहन क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अनेक अवसर प्रदान करता है। सड़क निर्माण, वाहन संचालन, ट्रांसपोर्ट कंपनियों, बस सेवाओं और वाहन मरम्मत केंद्रों में बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है।
- **क्षेत्रीय संतुलित विकास :** परिवहन व्यवस्था राज्य के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में जोड़ती है और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में सहायता करती है। बुंदेलखंड क्षेत्र में नई सड़कों और राजमार्गों के निर्माण से वहाँ व्यापार और निवेश की संभावनाएँ बढ़ी हैं।
- **पर्यटन के विकास में योगदान :** उत्तर प्रदेश धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। आगरा, वाराणसी और प्रयागराज जैसे पर्यटन स्थलों तक बेहतर परिवहन सुविधा होने के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होता है।

तालिका 2 : उत्तर प्रदेश में परिवहन अवसंरचना की वृद्धि (वर्ष 2015–2020)

क्र.सं.	परिवहन अवसंरचना	प्रमुख संकेतक	अनुमानित वृद्धि (%)
1	सड़क नेटवर्क	राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों का विस्तार	6% – 7%
2	एक्सप्रेसवे अवसंरचना	नए एक्सप्रेसवे निर्माण एवं विकास	15% – 18%
3	रेलवे अवसंरचना	रेल मार्ग विस्तार एवं आधुनिकीकरण	4% – 5%
4	हवाई अड्डा विकास	क्षेत्रीय हवाई अड्डों का विकास	10% – 12%

स्रोत : *उत्तर प्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण (2019–2020), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, रेल मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय तथा प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) रिपोर्ट्स, 2015–2020।*

यह तालिका वर्ष 2015 से 2020 के बीच उत्तर प्रदेश में परिवहन अवसंरचना के विकास की प्रवृत्ति को दर्शाती है। इस अवधि में सड़क नेटवर्क के विस्तार, नए एक्सप्रेसवे के निर्माण, रेलवे के आधुनिकीकरण तथा क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई। विशेष रूप से एक्सप्रेसवे परियोजनाओं और क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास ने राज्य में परिवहन की क्षमता को बढ़ाया, जिससे माल और यात्रियों के आवागमन में तेजी आई और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला।

तालिका 3 : परिवहन के कारण आर्थिक क्षेत्रों में वृद्धि (वर्ष 2015–2020)

क्र.सं.	आर्थिक क्षेत्र	प्रमुख गतिविधि	अनुमानित वृद्धि (%)
1	कृषि विपणन	कृषि उत्पादों का मंडियों तक परिवहन	4% – 5%
2	औद्योगिक वितरण	उद्योगों से माल का परिवहन	6% – 7%
3	व्यापार एवं वाणिज्य	अंतर-क्षेत्रीय व्यापार वृद्धि	5% – 6%
4	पर्यटन क्षेत्र	पर्यटकों की आवाजाही	8% – 9%

स्रोत : उत्तर प्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण (2019–2020), नीति आयोग की रिपोर्टें तथा प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) के प्रकाशन।

यह तालिका दर्शाती है कि परिवहन व्यवस्था के विकास ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डाला है। बेहतर सड़क, रेल और अन्य परिवहन सुविधाओं के कारण कृषि उत्पादों को मंडियों तक पहुँचाना आसान हुआ,

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

जिससे कृषि विपणन में वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त उद्योगों द्वारा उत्पादित वस्तुओं के वितरण में तेजी आई, जिससे औद्योगिक गतिविधियों और व्यापार में विस्तार हुआ। साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के कारण पर्यटन क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

तालिका 4 : परिवहन के प्रभाव से पर्यटन एवं कृषि क्षेत्र में वृद्धि (वर्ष 2015–2020)

क्र.सं.	क्षेत्र	प्रमुख गतिविधि	अनुमानित वृद्धि (%)
1	धार्मिक पर्यटन	वाराणसी, प्रयागराज, मथुरा	9% – 10%
2	ऐतिहासिक पर्यटन	आगरा एवं आसपास के क्षेत्र	7% – 8%
3	कृषि उत्पाद विपणन	गेहूँ, गन्ना, आलू परिवहन	4% – 5%
4	मंडी व्यापार	कृषि मंडियों में व्यापार वृद्धि	5% – 6%

स्रोत : उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के सांख्यिकीय आंकड़े, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) रिपोर्ट्स, 2015–2020।

यह तालिका परिवहन अवसंरचना के विकास से पर्यटन और कृषि क्षेत्रों पर पड़े प्रभाव को स्पष्ट करती है। बेहतर सड़क और रेल संपर्क के कारण वाराणसी, प्रयागराज, मथुरा तथा आगरा जैसे धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों तक पर्यटकों की पहुँच आसान हुई, जिससे पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि हुई। इसके साथ ही कृषि उत्पादों के परिवहन में सुधार होने से गेहूँ, गन्ना और आलू जैसे उत्पादों को मंडियों तक समय पर पहुँचाना संभव हुआ, जिससे मंडी व्यापार और कृषि विपणन को भी बढ़ावा मिला।

तालिका : 05, विश्लेषण

परीक्षण	डेटा (औसत वृद्धि %)	n	Mean ($\bar{x}$)	SD	प्रयुक्त सूत्र	परीक्षण मान	निष्कर्ष
Z-Test (परिवहन अवसंरचना)	6.5, 16.5, 4.5, 11	4	9.63	4.6	$Z = \frac{\bar{x} - \mu}{\sigma/\sqrt{n}}$	Z = 0.71	वृद्धि सामान्य प्रवृत्ति के अनुरूप
T-Test (आर्थिक क्षेत्र)	4.5, 6.5, 5.5, 8.5	4	6.25	1.7	$t = \frac{\bar{x} - \mu}{s/\sqrt{n}}$	t = 1.47	आर्थिक क्षेत्रों पर सकारात्मक प्रभाव

T-Test और Z-Test के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि वर्ष 2015–2020 के दौरान उत्तर प्रदेश में परिवहन अवसंरचना के विकास का आर्थिक क्षेत्रों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बेहतर सड़क, एक्सप्रेसवे, रेल और हवाई संपर्क के कारण कृषि विपणन, औद्योगिक वितरण, व्यापार तथा पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि देखी गई। हालाँकि सांख्यिकीय परीक्षण में प्राप्त Z = 0.71 और t = 1.47 के मान 5% स्तर के मानक मानों से कम हैं, इसलिए यह प्रभाव अत्यधिक सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं माना जाता, लेकिन यह स्पष्ट संकेत देता है कि परिवहन व्यवस्था के विकास से राज्य की आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है।

परिवहन क्षेत्र की प्रमुख समस्याएँ

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

उत्तर प्रदेश में परिवहन व्यवस्था आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके सामने कई चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। सबसे बड़ी समस्या ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की गुणवत्ता का अभाव है। राज्य के अनेक गाँवों में अब भी कच्ची या खराब स्थिति वाली सड़कें पाई जाती हैं, जिससे वर्षा ऋतु के दौरान आवागमन बाधित हो जाता है। परिणामस्वरूप किसानों को अपने कृषि उत्पादों को समय पर बाजार तक पहुँचाने में कठिनाई होती है, जिससे उनकी आय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त, शहरी क्षेत्रों में बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या के कारण यातायात की भीड़ एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। विशेष रूप से बड़े शहरों जैसे लखनऊ, कानपुर और नोएडा में यातायात जाम के कारण समय और ईंधन की बर्बादी होती है। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या भी एक चिंताजनक समस्या है, जिसका मुख्य कारण तेज गति, यातायात नियमों का पालन न करना और सड़क सुरक्षा उपायों की कमी है।

परिवहन साधनों का उचित रख-रखाव न होना भी एक महत्वपूर्ण समस्या है। कई बसें, ट्रक और अन्य वाहन तकनीकी रूप से अच्छी स्थिति में नहीं होते, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है और परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसके अलावा, वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण वायु प्रदूषण में भी वृद्धि हो रही है, जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक है।

सुझाव

इन समस्याओं के समाधान के लिए कई प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में पक्की सड़कों का निर्माण और मौजूदा सड़कों का सुधार किया जाना चाहिए, जिससे वर्ष भर सुगम परिवहन संभव हो सके। इसके साथ ही सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाना आवश्यक है, ताकि निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो और यातायात की भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। रेल परिवहन और जल परिवहन के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, क्योंकि ये परिवहन के सस्ते और पर्यावरण अनुकूल साधन हैं। इसके अतिरिक्त यातायात प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाकर और सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराकर सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। अंततः पर्यावरण संरक्षण के लिए विद्युत वाहनों और अन्य पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधनों को प्रोत्साहित करना भी आवश्यक है, जिससे प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके और सतत विकास को बढ़ावा मिले।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में परिवहन की भूमिका का विश्लेषण करना था। अध्ययन के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि परिवहन व्यवस्था राज्य की आर्थिक संरचना का एक महत्वपूर्ण आधार है, जो कृषि, उद्योग, व्यापार तथा पर्यटन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विकास को गति प्रदान करती है। सड़क, रेल, वायु तथा जल परिवहन के माध्यम से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क स्थापित हुआ है, जिससे उत्पादन और विपणन की प्रक्रिया अधिक सुगम हुई है।

अध्ययन के उद्देश्यों के अनुरूप यह पाया गया कि परिवहन अवसंरचना के विकास से कृषि उत्पादों के विपणन, औद्योगिक वस्तुओं के वितरण, व्यापारिक गतिविधियों तथा पर्यटन क्षेत्र में वृद्धि हुई है। विशेष रूप से सड़क नेटवर्क और एक्सप्रेसवे के विकास ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच दूरी को कम किया है और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया है। सांख्यिकीय विश्लेषण के अंतर्गत किए गए Z-Test (0.71) तथा T-Test (1.47) के परिणाम यह संकेत करते हैं कि परिवहन अवसंरचना के विकास का आर्थिक क्षेत्रों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यद्यपि यह प्रभाव सांख्यिकीय रूप से अत्यधिक महत्वपूर्ण स्तर पर नहीं पाया गया, फिर भी यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि परिवहन व्यवस्था आर्थिक गतिविधियों के विस्तार में सहायक रही है।

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

इस प्रकार अध्ययन की वैकल्पिक परिकल्पना आंशिक रूप से स्वीकार की जा सकती है कि परिवहन अवसंरचना का विकास आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है। अतः यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में परिवहन अवसंरचना के विकास पर निरंतर ध्यान दिया जाए, ताकि राज्य के समग्र और संतुलित आर्थिक विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

संदर्भ सूची (References)

- दत्त, आर. एवं सुंदरम, के.पी.एम. (2018). भारतीय अर्थव्यवस्था. नई दिल्ली : एस. चाँद एंड कंपनी प्रा. लि., पृ. 312–318।
- मिश्रा, एस.के. एवं पुरी, वी.के. (2019). भारतीय अर्थव्यवस्था. नई दिल्ली : हिमालय पब्लिशिंग हाउस, पृ. 285–290।
- भारत सरकार (2020). आर्थिक सर्वेक्षण 2019–20. नई दिल्ली : वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, पृ. 97–102।
- उत्तर प्रदेश सरकार (2020). उत्तर प्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण 2019–2020. लखनऊ : योजना विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, पृ. 156–162।
- भारत सरकार (2019). सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट. नई दिल्ली : सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, पृ. 45–50।
- प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) (2018–2020). परिवहन अवसंरचना से संबंधित प्रेस विज्ञप्तियाँ. नई दिल्ली : भारत सरकार, पृ. 10–14।
- उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग (2020). उत्तर प्रदेश पर्यटन सांख्यिकी रिपोर्ट. लखनऊ : पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, पृ. 52–57।